

प्रेषक,

डा० रणवीर सिंह,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अपर निदेशक,
पशुपालन विभाग,
उत्तराखण्ड, गोरेश्वर, चमोली।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 17 सितम्बर, 2007

विषय:-

चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय व्ययक में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष राज्य सैक्टर योजनाओं में धनराशि अवमुक्त किया जाना।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-877/नि०/आय व्ययक/2007-08 दिनांक 27 अगस्त, 2007 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में पशुपालन विभाग में गठित बोर्डों तथा पशुकल्याण बोर्ड, उत्तराखण्ड मेड एंड ऊन विकास बोर्ड हेतु प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष कुल धनराशि रुपये 10.10 लाख (रुपया दस लाख दस हजार मात्र) की धनराशि निम्न विवरणानुसार व्यय हेतु आपको निर्वातन पर प्रादिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

(धनराशि लाख रुपये में)

लेखाशीर्षक	योजना का कोड एवं नाम	गद संख्या	जारी वित्तीय स्वीकृति
लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन-00-102-पशु और मत्स्य विकास-आयोजनागत	03-पशु कल्याण बोर्ड की सहायता	08-कार्यालय व्यय	0.50
		09-विद्युत दायक	0.15
		10-जलकर/जलप्रभार	0.05
		11-लेखन सामग्री	0.10
		13-टेलीफोन पर व्यय	0.25
		15-मोटर गाडी अनुरक्षण	0.25
		17-किराया उपशुल्क कर	1.60
		18-प्रकाशन	0.50
		19-विज्ञापन	2.00
		42-अन्य व्यय	1.00
		कुल योग-	6.40

लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन -00-104-भेड एवं ऊन विकास-आयोजनागत	03-उत्तराखण्ड भेड एवं ऊन विकास बोर्ड	07-मानदेय 08-कार्यालय व्यय 13-टेलीफोन पर व्यय 15-मोटर गाड़ी अनुरक्षण 17-किसाया उपशुल्क कर 42-अन्य व्यय	0.60 0.30 0.60 0.80 0.90 0.50
कुल योग -			3.70
महायोग-			10.10

(रुपया दस लाख दस हजार मात्र)

1. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये तथा शासन द्वारा समय समय पर जारी किये गये नितिव्ययता सम्बन्धी निर्देशों का पालन अवश्य किया जाय। जहां कहीं आवश्यक हो धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
2. बजट मैन्युअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
3. इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय वित्त हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों, कय सम्बन्धी शासनादेशों का पालन कर, किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
4. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत उक्तानुसार उल्लिखित लेखाशीर्षक के सुसंगत मानक मदों के अन्तर्गत वहन किया जायेगा।
5. यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0 पत्र संख्या- 188(P)/वित्त अनुभाग-4/ 2007 दिनांक 12 सितम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा० रणवीर सिंह)
सचिव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त को प्रमुख सचिव एवं आयुक्त महोदयों के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
4. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौड़ी/कुमायूँ मण्डल नैनीताल।
7. सचिव, पशु कल्याण बोर्ड, देहरादून।
8. मुख्य अधिशासी अधिकारी, उत्तराखण्ड भेड एवं ऊन विकास बोर्ड, देहरादून।
9. धित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग।
10. वजेट, राजकोषीय नियोजन तथा ससाधन निर्देशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
11. निर्देशक, एन0आई0सी0, सचिवालय, देहरादून।
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(जे0पी0 जोशी)
उप सचिव